सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास (सिरडी)
ग्राम-टेमनी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
रिव्यू 2019-2020

दुनिया के लाखों पेड़ गिलहरियों की देन है ,वे खुराक के लिये बीज जमीन में छुपा देती है, और छुपाने की जगह भूल जाती हैं।

"अच्छे काम करिये और भूल जाइये समय आने पर वें फलेंगे जरुर"

संस्था के यदि 42 वर्षो के कार्यो को देखा जायें तो एकीकृत ग्रामीण विकास के साथ ही महिलांनोमुखी कार्यक्रम पर हमेशा ही हमारा ध्येय रहा हैं ।

2015-2016 की साधारण सभा की बैठक में हमने विशेष रूप से यह तय किया था कि अगले पांच वर्ष के हमारे सारे कार्यक्रम महिलाओं के मुद्दों के आस-पास केन्द्रित होंगे चाहें वे –

"एकल महिलायें" के लिये हो

- पंचायती राज में चुने हुये महिला जन प्रतिनिधि के लिये हो
- पंचायती राज में भविष्य के नेता की तैयारी के रूप में हों
- स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की क्षमता विकास हो
- क़ानूनी, आर्थिक, सामाजिक व् राजनैतिक गतिविधियों में उनकी क्षमता बढ़ाना व मदद करना हो।
- पारम्परिक स्वास्थ्य पोषण व् कृषि हो।
- जेंडर, महिला हिंसा व उस पर विकल्प तलाशने की बात हो।
- या युवा व किशोर महिलाओं, बालिकाओं को मार्गदर्शन की बात हो।

सभी महिलायें अपनी जिम्मेदारियो को इतनी गहराई से निभाती है और इसमें इतना डूब जाती है कि उन्हें ध्यान ही नहीं होता कि
घोंसला बसाने व संभालने में हम ,इतने मशगूल हो गये कि उड़ने को, पंख भी थे, ये भी भूल गयें।

महिलाओं का समाज में हर जगह अस्तित्व हैं। हम उन्हें कमतर नहीं आँक सकते। महिलाओं के लिये सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना, उनके अस्तित्व को धुंधलको से बाहर लाने का प्रयास कहाँ जायेगा। यही प्रयास में हमारी संस्था भी पूरी तरह से लगी हुई है।
यही भावनायें हमें प्रेरणा देती रही हैं कि महिलाओं के साथ मिलकर हम निम्न कार्य कर पा रहे हैं।

महिला सम्मलेन
वर्ष में दो बार महिला सम्मलेन किए गयें

क्र.	स्थान	माह	उपस्थित महिलायें	संख्या	मुख्य मुद्दें
I.	टेमनी	अक्तूबर	जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, पंच, सरपंच,फ्यूचर लीडर	I।9	- ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी - ग्राम पंचायत विकास योजनामें अपने मुद्दें जुड़वाना

					- समस्याओं पर संगठित होकर प्रयास करना
2.	सावलमेढ़ा	जनवरी	- साथिन फेडरेशन की समस्या - मध्यान्ह भोजन एवं पोषण आहार में खाना बनाने वाली समूह की महिलाये	103	- स्वयं सहायता समूह की ओर क्षमता बढ़ाना - पंचायत और ग्राम सभा में सक्रिय भागीदारी बढ़ाना - अजीविका मिशन के बारे में जानकारी।

एकल महिला संगठन – म.प्र./महाराष्ट्र

क्र	राज्य	जिला	विकास	पंचायत	ग्राम	महिला संगठन	महिलायें	मुद्दें सुलझाये
1.	मध्य प्रदेश	बैतूल	2	30	103	107	839	सामाजिक,पारिवारिक, संपत्ति,क़ानूनी महिलाओं का स्वास्थ्य बच्चों की शिक्षा, मुद्दें
2.	महा राष्ट्र	अमरा वती	2	32	42	53	1003	क़ानूनी सहायता केंद्र की स्थापना वकीलों की पेनल का गठन

पंचायती राज में महिला सशक्तिकरण इंस्टीट्यूट ऑफ़ रीजनल एनालिसिस के साथ पंचायती राज सशक्तिकरण के लिये।

- महिला सरपंच, पंच के साथ निरंतर संपर्क।
- ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये प्रयास।
- व भविष्य के नेता की तैयारी के लियें 10वीं या इससे अधिक पढ़ी महिलाओं को पंचायत में चुनाव में खड़े होने हेतू उन्हें प्रशिक्षण, व्यक्तिगत संपर्क, नियमित बैठक, अध्यन सामग्री के माध्यम से उनकी क्षमता बढ़ाना।
- ग्राम पंचायत, विकास योजना की जानकारी देकर उसमें महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।

<u>पारम्परिक बीज व सब्जियों की बाड़ी</u> :-

67 महिला किसानों के साथ 5 गाँवों में पारम्परिक बीज व 100 महिलाओं को सब्जी के बीज उपलब्ध करवा कर

- पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर को बढ़ाने का प्रयास करना।
- 19 प्रकार के पारम्परिक बीज संग्रहण में मदद करना।
- रोजमर्रा की उपयोगी गुणकारी पेड़-पोधे को घर पर ही लगाने के लिये महिलाओं को प्रोत्साहित करना जैसे तुलसी, लेमनग्रास, पोदीना, मीठीनीम, नीबूं अन्य
- इसी प्रकार के घर में उगाई हुई वस्तुओं से पोषण आहार बनाने की जानकारी देना।
- स्थानीय रूप से घर, खेत व जंगल में उपलब्ध खाद्य पदार्थों के महत्व को बढ़ाना।

<u>स्वयं सहायता समूह (SHG)</u> :- महिलाओं को समूह में संगठित होकर काम करने के लिये प्रोत्साहित करना

- महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाने, उन्हें चलाने, उनकी क्षमता बढ़ाने में मदद करना।
- बैंक में खाता खुलवाने व उसके संचालन में महिलाओं की मदद करना।
- अजीविका मिशन से समूहों को जोड़ना
- आर्थिक गतिविधियों के लिये उन्हें जानकारी देना उनकी क्षमता बढ़ाना व उन्हें मागदर्शन देना।

<u>महिलाओं के लिये अन्य कार्यक्रम :-</u> जेंडर एवं महिला हिंसा पर जागरूकता कार्यक्रम 29 गाँवों में अलग- अलग महिला समूहों के चर्चा सत्र द्वारा खेल, गाने, कहानियों के द्वारा इस विषय पर जानकरी दी गई।

"महिला हिंसा एवं विकल्प" :– विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम बैतूल में पंचायतों में पढ़ी-लिखी महिलाओं के लिये किया गया जो भविष्य में नेता के रूप में अपनी तैयारी कर रही हैं। इसमें 18 पंचायत की 55 महिलाओं ने भाग लिया।

अन्य कार्यक्रम, उत्सव, दिवस त्यौहार :- प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी संस्था के संस्थापक "डॉ.देवेन्द्र शर्मा" की स्मृति में 26 मई को उनके जन्म दिवस पर "युवा श्रम साधक स्थापना" दिवस के रूप में मनाया गया यह कार्यक्रम कोविड के कारण सूक्ष्म रूप से संस्था परिसर में कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया।

किशोरी बालिकाओं के लिये शिक्षा व कोशल विकास प्रशिक्षण

१. मासी माँ घर(छात्रावास) – टेमनी परिसर में संस्था द्वारा स्थापित सुदूर गाँव की कक्षा 8 से 12 की 23 बालिकायें थी।

2. सिलाई प्रशिक्षण में 4 गाँव की 32 किशोरियों को 4 माह का प्रशिक्षण टेमनी परिसर में दिया गया।

प्रोजेक्ट रेस (Project Raise) :– यह 13 से 17 वर्ष के बालकों के लिये कार्यक्रम है यह कार्यक्रम 18 सप्ताह का कार्यक्रम था इसे हमने म.प्र. व महाराष्ट्र दोनों जगह किया था।

- इस कार्यक्रम के लिये पहले 4 कार्यकर्ताओं को 7 दिन का प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता विकास की गई। इसमें बालकों को –

- सकारात्मक सहभागिता
- मानव अधिकार क्या है
- लिंग भेद (लैंगिगता)
- किशोर अवस्था में आने वाले बदलाव
- महिला हिंसा
- आपसी सम्बन्ध आदि पर बात की जाती हैं।

प्रोजेक्ट रेस में किये कार्यक्रम –

क्र.	राज्य	जिला	स्कूल	छात्र की संख्या	स्थिति
1.	मध्यप्रदेश	बैतूल	2	150	सफलतापूर्वक पूर्ण
2.	महाराष्ट्र	अमरावती	2	180	सफलतापूर्वक पूर्ण
	2	**2**	**4**	**330**	

इंग्लिश लर्निंग कार्यक्रम (BCPT) :- यह कार्यक्रम बाम्बे कम्यूनिटी पब्लिक ट्रस्ट की तरफ से "चाइल्ड राईट एलाइंस" व अपेक्षा होम्यो सोसाइटी के सहयोग से पिछले 3 वर्ष से कर रहें हैं। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र के जिला अमरावती में चलाया जा रहा है।

1 से 5 कक्षा के लिये यह कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं।

Ø-	rkyqdk	dqy xzke	dqy Ldwy	d{kk vuqlkj ckyd@ckfydk									
				1		2		3		4		5	
				ckfydk	ckyd	ckfydk	ckyd	ckfydk	ckyd	ckfydk	ckyd	ckfydk	Ckyd
1-	Pkanwjcktkj	30	30	236	255	276	291	325	374	332	330	174	187
2-	vpyiqj	30	30	231	241	266	257	271	281	336	305	183	189

स्वास्थ्य – ग्रामीणों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच (DHP) उपकरण से

क्र.	ग्राम	हेल्थ स्क्रीनिंग	बी.पी	शुगर
1.	पाटादा	423	402	402
2.	टेमनी	176	163	163
3.	धावड़ी	131	98	98

4.	जामुन ढाना	77	62	62
5.	अम्बाड़ा	138	118	188
6.	नत्थूढाना	141	120	120
	6	**1086**	**963**	**1033**

इस स्क्रीनिंग व टेस्ट के बाद में बी.पी, शुगर के ज्यादा व्यक्ति तो नहीं मिले ज्यादातर तखलीफ़ आँख व दांत से संबंधित थी। अत: हमने फॉलोअप के तोर पर पाटादा में डॉ.राठी एवं डॉ.(श्रीमती) राठी व उनकी टीम द्वारा 2 केम्प स्वास्थ्य जाँच वहाँ किये व, इनके फॉलोअप के लिये भी किया इसमें 76 लोगों का उपचार किया। दांत जांच का 1 केम्प टेमनी परिसर में किया गया।

4

नेत्र कैम्प (जीवन ज्योति चांदूर बाज़ार के सहयोग से) निम्नानुसार केम्प

क्र.	ग्राम	आँख जाँच की गई	चश्मा वितरित किये गये	आपरेशन
1.	उदामा	83	82	01
2.	आष्टी	64	49	11
3.	धामोरी	52	52	00
4.	अम्बाडा, नत्थूढाना	44	40	00
5.	टेमनी	39	00	00
6.	खैरवाड़ा	35	25	00
7.	बोथी	28	00	00
8.	उमरी	83	60	05
9.	अक्कलवाड़ी	35	00	05
10.	पाटादा	69	52	08
11.	चिचोलीढाना	32	00	00
12.	बोथिया	39	00	00
	कुल	**603**	**360**	**30**

शारीरिक रूप से दिव्यांगजनों के लिये मोबिलिटी एड्स और उपकरण वितरण

FREEDOM TRUST CHENNAI

12.12.2019 :– जाँच शिविर इंस्टीट्यूट ऑफ़ रीजनल एनालिसिस (IRA) एवं सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी) एवं "फ्रीडम ट्रस्ट चैन्नई" के सहयोग से परीक्षण एवं निरीक्षण का केम्प दिनाँक 12.12.2019 को गुदगाँव में लगाया गया इसमें 71 दिव्यांग व्यक्तियों का परीक्षण एवं निरीक्षण किया।

ट्रस्ट चैन्नई ने 51 दिव्यांगो को विभिन्न प्रकार के मोबिलिटी उपकरण उपलब्ध कराये वह केम्प 24.02.2020 को गुदगाँव में हुआ।

क्र.	कुल व्यक्ति		Tricycle	Shoes	लेग्ज	हैंड सिस्टांग	चेयर	व्हीलचेयर	Walker	Uni Eibow Crutch	Bil Axillary Crutches	Bil AFO	Scooter Boar d	Rt KAFO	Rt SMO
1.	F	M	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2.	13	38	7	17	2	2	2	4	4	1	4	2	3	2	1

<u>संस्था के संस्थापक की स्मृति</u> :– कार्यक्रम 31 जनवरी पुष्पांजलि कार्यक्रम – डॉ.शर्मा स्म्रति में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम टेमनी के स्कूल में प्रोजेक्ट रेस के कार्यक्रम के समापन पर आयोजित किया गया व् छात्र/छात्राओं के केरियर गाइडेंस पर व्याख्यान का भी आयोजन किया गया।

8 मार्च महिला दिवस –

का कार्यक्रम ग्राम हिडली में बड़े रूप में मनाया गया यहाँ पर 6 पंचायत की पंच,सरपंच भविष्य की नेता, व अन्य महिलाओं ने भाग लिया। व्याख्यान, समूह चर्चा के अलावा खेल कूद कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

कोविड 19 – महामारी में संस्था की तरफ से प्रयास –

- 23 मार्च तक तो हमें इसकी गंभीरता का भान नहीं था।
- मार्च व अप्रेल माह के पहले सप्ताह में हमें पता ही नहीं चल रहा था कि हमें क्या करना हैं फिर हमने लोगों में जाग्रति बढ़ाने, जानकारी देने हेतू

१. संस्था के कार्यकर्ता
२. भविष्य के नेताओं
३. महिला पंच, सरपंचों
४. एकल महिलाओं व स्वंय सहायता समूह की महिलाओं से फोन से वाटसएप से जुड़े रहे
५. कोविड क्या है
६. इससे बचाव के उपाय बतायें

हमने

१. छोटे-छोटे सन्देशों
२. पावर पाइंट प्रस्तुती
३. दूसरी संस्थायें, सरकार से प्राप्त जानकारी देनी शुरू की
४. व महिलाओं को आ रही समस्याओं पर उन्हें समाधान, जानकारी व मदद करनी शुरू की

जरुरत मंदो को राशन, मास्क, रोकथाम के लिये होम्योपैथी दवाई, काढ़े वितरित किये

क्र.	कार्यक्रम	राज्य	जिला	महिलाओं की संख्या	अन्य जानकारी
I.	**राशन वितरण एकल महिलाओं को**	**महाराष्ट्र**	**अमरावती**	**120**	**किसान मित्र मध्य भारत के सहयोग से**
2 .	**A मास्क का वितरण**	**महाराष्ट्र**	**अमरावती**	**3000**	**कार्यकर्ताओं ने खुद सिलवाकर बांटे**
3 .	**B मास्क का वितरण**	**मध्यप्रदेश**	**बैतूल**	**6200**	**कार्यकर्ताओं ने खुद सिलवाकर बांटे**
4 .	**राशन दिया**	**मध्यप्रदेश**	**बैतूल**	**12000 मूल्य का**	**अति जरुरत मंद को गुप्त रूप से पैसा भी दान से एकत्रित किया**
5 .	**एकल महिलाओं को दस्तावेज़ व राशन दिलवाने में मदद की**	**दोनों राज्यों में**	**दोनों जिलों में**	**करीब 200 महिलाओं को**	
6 .	**होम्योपैथी दवा का वितरण**	**मध्यप्रदेश**	**बैतूल**	**संपर्क में आयें सभी लोगों को, कार्यकर्ताओं को**	**जानकार से सलाह लेकर**
7 .	**काढ़ा वितरण**	**मध्यप्रदेश**	**बैतूल**	**सम्पर्क में आयें सभी लोगों को**	**जानकार से सलाह लेकर**

<u>कोविड के दोरान</u> :- हमने ने प्रवासी मजदूरों के लिये जो गाइड लाइन सरकार ने बनाई थी उसका अध्यन किया व उस पर चर्चा कर लोगों को, पंचायत और गाँव तक जानकारी दी।

- 100 मजदूरो का म.प्र. में और 100 मजदूरो का
- महाराष्ट्र में सर्वे किया व अध्यन किया।
- मनरेगा के कामों पर निगरानी रखी गई।
- मनरेगा में ज्यादातर महिलायें ही मजदूरी करने जाती है
- उन्हें काम करते समय क्या सावधानी रखनी है बताया
- काम की जगह पर भ्रमण कर मास्क का वितरण किया
- हाथ धोने की व्यवस्था करवाई

- मजदूरी समय पर मिल रही हैं देखा
- जिनके श्रमिक कार्ड नहीं थे आवेदन करवायें

सहयोगी नेटवर्किंग संस्थाओं के साथ कार्यक्रम जहाँ हमारी संस्था सक्रिय रूप से सहभागी है

"किसान मित्र मध्य भारत"

के साथ जून के अंतिम सप्ताह में एकल महिलाओं एवं उनके सबंधित अधिकार पर नेशनल कनसलटेशन हुआ जिसमें स्वयं, हमारी कार्यकर्त्ता बहने व 400 एकल बहनों ने भाग लिया।

चाइल्ड राइट एलाइंस के साथ इंग्लिश लर्निंग कार्यक्रम तो कर ही रहे हैं। साथ ही राइट टू एजुकेशन पर नागपुर में 2 बार कनसलटेशन में भाग लिया।

CIALF के बेनर तले :- छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ – "मध्य भारत शुल्क क्षेत्र जलवायु संवेदनशीलता" सितम्बर 2019 में आयोजित मैंने स्वयं व CIALF के मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ के 13 साथीयों के साथ भाग लिया ।

<u>कासा (CASA) द्वारा आयोजित :-</u> "महिला किसान और खेती" पर सितम्बर 2019 में ६ सरपंचों व कार्यकर्ताओं के साथ भाग लिया।

अंत में धन्यवाद !

- सभी दानदाताओं को
- संस्था के सभी माननीय सदस्यों को
- सभी कार्यकर्ताओं को
- व सभी ग्रामीण महिलाओं व पुरुषों जिन्होंने विषम परिस्थितियों में हमें सहयोग किया हमारा होंसला बनाये रखा।